

१६२ हीमया

ASHA ARCHIVES

३३७२

१ आदशर्मन ८ (गमखात्र ८)
 शुठि ८ उल्ला ८
 यियलि ८ नवद ८
 मलच ८ हक म्यात्र ८
 यियनामूल ८ नवदयात्र ८
 सिंयी ८ नयक ८
 चिगकका ८ रुक जिनी ८
 सुपीयलि ८ (गमनासाहन ८)
 गालिस ८ जिलि ८
 साखनदुत ८

यीयलि ८ म ८ २
 यियनामून २
 म ८ २
 रुक जि लि २
 सिंयी २
 चिगकका २
 यातक २
 लयक २
 सुवाचुल ३
 स २

१ मलचर्म १
 जि नि १
 शुठि १
 दालवि ४
 न गालिस २
 येनयामकिदयांध

१ विठु दी का यत दी का या दी का वन वा सिना । विविका यमि ना दी का य गाय वल ता ली
 नी ॥ ति वी र्य ३ यि ठु मूर्त तथ माता म हा दय ४ । स्रव ल द्वा क्रिया दक स म्म व ले व ठु द्वा ति ॥
 ॥ ग्राम ल ॥ वलि २
 १ पि मा वनाथ पूजा ॥ जे न रा स न या पूजा ॥ उ या ३ ॥ ३ ॥ वि मा
 वनाथ श्री पा पूजा ॥ ३ ॥ ह द या दि ख ठ ॥ ग न पूजा ॥ ॥ ॥
 १ पि मा चिनी पूजा ॥ आसन ॥ जे न रा स न या पूजा ॥ उ या ३ ॥ ३ ॥
 ३ ॥ ३ ॥ पि मा चिनी श्री पा पूजा ॥ वलि ॥ स ॥ ह द या दि ख ठ ग न
 पूजा ॥ ॥ ॥

ॐ जौं खाहा ॥ जौं खाहा ॥ कूं खाहा ॥ कलंख काय ॥ अर्द्धित सर्व काय दो
कूत्र मां लौं लुन्य रे नवं नुवमिष कागसे कीं थर की मकी रुन पदी ॥
कानं ॥ उ नूतम स्कारे ॥ खलु मलु ना काल ति ॥ कर्तव्य वस्त्रा नल क्य
धम ॥ जे यद्वा गन पाइ कां पूजयामि ॥ जे यद्वा गन पाइ कां पूजयामि ॥ जे
कृष्ण सित पाइ कां पूजयामि ॥ न्यास याया ॥ जे र अर्द्ध मां य रुग पाइ का
पूजयामि ॥ जे र अर्द्ध मां य रुग पाइ का पूजयामि ॥ जे र अर्द्ध मां य रुग पाइ का
रुं मध्य मां य रुग पाइ का पूजयामि ॥ जे र अर्द्ध मां य रुग पाइ का पूजयामि ॥ जे र अर्द्ध मां य रुग पाइ का
नमः ॥ र अर्द्ध मां य रुग पाइ का पूजयामि ॥ जे र अर्द्ध मां य रुग पाइ का पूजयामि ॥ जे र अर्द्ध मां य रुग पाइ का
मादनी रुय धन

हा ॥ र अर्द्ध मां य रुग पाइ का पूजयामि ॥ जे र अर्द्ध मां य रुग पाइ का पूजयामि ॥ जे र अर्द्ध मां य रुग पाइ का
य रुग पाइ का पूजयामि ॥ जे र अर्द्ध मां य रुग पाइ का पूजयामि ॥ जे र अर्द्ध मां य रुग पाइ का पूजयामि ॥ जे र अर्द्ध मां य रुग पाइ का
मि ॥ जे र अर्द्ध मां य रुग पाइ का पूजयामि ॥ जे र अर्द्ध मां य रुग पाइ का पूजयामि ॥ जे र अर्द्ध मां य रुग पाइ का पूजयामि ॥ जे र अर्द्ध मां य रुग पाइ का
र पृथं नमः ॥ याति मूत्रा कर्तं ॥ धम नाषत हाय ॥ अततत य धम ॥ जे र अर्द्ध मां य रुग पाइ का पूजयामि ॥ जे र अर्द्ध मां य रुग पाइ का
त पाइ कां यौ पूजयामि ॥ जौं अर्द्ध मां य रुग पाइ का पूजयामि ॥ जे र अर्द्ध मां य रुग पाइ का पूजयामि ॥ जे र अर्द्ध मां य रुग पाइ का
कौं य रुग पाइ का पूजयामि ॥ विन्दु विय ॥ कसी पा ॥ ३ ॥ वलि विसं ॥ जे र अर्द्ध मां य रुग पाइ का पूजयामि ॥ जे र अर्द्ध मां य रुग पाइ का
वलि ॥ २ ॥ खाहा ॥ कां य रुग पाइ का पूजयामि ॥ जे र अर्द्ध मां य रुग पाइ का पूजयामि ॥ जे र अर्द्ध मां य रुग पाइ का पूजयामि ॥ जे र अर्द्ध मां य रुग पाइ का
क ॥ २ ॥ खाहा ॥ जे र अर्द्ध मां य रुग पाइ का पूजयामि ॥ जे र अर्द्ध मां य रुग पाइ का पूजयामि ॥ जे र अर्द्ध मां य रुग पाइ का पूजयामि ॥ जे र अर्द्ध मां य रुग पाइ का
२ ॥ २ ॥ खाहा ॥ ॥ विन्दु विय ॥ कसी पा ॥ ३ ॥ खाहा ॥ कां य रुग पाइ का पूजयामि ॥ जे र अर्द्ध मां य रुग पाइ का पूजयामि ॥ जे र अर्द्ध मां य रुग पाइ का

ASHA ARCHIVES 3372











